खाद्यान्नों की भंडारण क्षमता

2068. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय:**
श्री अनन्त राम जायसवाल:

क्या **खाद्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्तमान में सरकार के पास खाद्यान्न की भंडारण क्षमता क्या है तथा क्षमतानुसार खाद्यान्नों का भंडार कितना है; और

(ख) चावल और गेहूं की वर्तमान पैदावार को देखते हुए चालू वर्ष में खाद्यान्न का कितना भंडार हो जाएगा और चावल और गेहूं के भंडार को पूर्णतया सुरक्षित रखने के लिए सरकार क्या व्यवस्था करेगी?

खाद्य मंत्री (श्री अजित सिंह): (क) 1.2.95 को स्थिति के अनुसार खाद्यान्नों के भण्डारण के लिए भारतीय खाद्य निगम के पास उपलब्ध कुल भण्डारण क्षमता 272.62 लाख मीटरी टन थी और इसमें 220.70 लाख मीटरी टन खाद्यान्नों का स्टाक रखा हुआ था। इसके अतिरिक्त पंजाब और हरियाणा में राज्य एजेंसियों के पास भी उनके गोदामों में केन्द्रीय सरकार के खाते पर लगभग 80 लाख मीटरी टन खाद्यान्न रखे हुए थे।

(ख) 1.3.95 को स्थिति के अनुसार केन्द्रीय और राज्य सरकारों के खाते में 293.91 लाख टन मीटरी टन खाद्यान्नों की मात्रा थी। गेहूं और चावल का स्टाक बनाए रखने के लिए भारतीय खाद्य निगम द्वारा निम्नलिखित उपाय किए जा रहे हैं:—

(1) भण्डारण योग्य अतिरिक्त गोदामों का निर्माण जो मूषक और नमी-प्रूफ हो;

(2) खुले में भंडारित खाद्यान्नों के स्टाक को अच्छी गुणवत्ता वाले एल०डी०पी०ई० कवरों से अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करना;

(3) आवधिक और अचानक निरीक्षणों की व्यवस्था करना और रोगनिरोधी और रोग हर उपचार द्वारा जन्तुबाधा (इनेफेस्टेशन) के नियंत्रण के लिए स्टाक का रख-रखाव करना;

(4) ढकी हुई/स्वच्छ वैगनों में खाद्यान्नों का संचलन करने में तेजी लाना ताकि मार्गस्थ हानियों से बचा जा सके;

(5) वसूली के समय खाद्यान्नों की बोरियों की मशीन द्वारा सिलाई करना।

Sugar Millis Functioning in the Country

2069. SHRI RAJ NATH SINGH: Will the Minister of FOOD be pleased to state:

(a) what is the number of sugar mills functioning in the country and how many sugar factories are in Uttar Pradesh;

(b) the details thereof;

(c) whether Government have any plan to improve the production of sugar in near future in the country; and

(d) what steps are being taken by Government in this regard?

THE MINISTER OF FOOD (SHRI AJIT SINGH): (a) and (b) A total of 405 sugar factories have reportedly undertaken crushing operations during the sugar season 1994-95, till 22-3-1995. Out of these, 109 sugar mills are from Uttar Pradesh. List of these factories of U.P. is enclosed as Statement. *(See below)*

(c) and (d) The Government have taken/initiated the following measures in order to give a boost to the sugar production during 1994-95 sugar seasons:—

(i) Early-crushing incentives have been announced in the form of higher freesale quota at 72% as against the normal entitlement of 60%, to sugar mills for the production achieved during the period 1.10.1994 to 15.11.1994.

(ii) The Statutory Minimum Price (SMP) of sugarcance for 1994-95 season has been raised to Rs. 39.10 per quintal linked to a basic recovery of 8.5%, with a premium of Rs. 0.46 for every 0.1% point increase in the recovery above that level upto 10% and Rs. 0.60 for every 0.1% point increase in the recovery above 10%.

(iii) An advance announcement of SMP for 1995-96 season has also been made at Rs. 42.50 per

quintal linked to a basic recovery of 8.5%, subject to premium for higher recoveries.

Statement

Names of Sugar Mills of Uttar Pradesh who have Reported Undertaken Crushing Operations during the Season 1994-95 Till 22.3.1995.

WEST UP

1. Mohiuddinpur
2. Sakhoti Tanda
3. Meerut
4. Buland Shahar
5. Saharanpur
6. Rohana Kalan
7. Doiwala
8. Bagpat
9. Ramala
10. Annopshahar
11. Sarsawa
12. Nanauta
13. Morna
14. Daurala
15. Mawana
16. Deoband
17. Iqbalpur
18. Lhaksar
19. Khatauli
20. Mansurpur
21. Shamli
22. Modinagar
23. Simbhaoli
24. Titawi
25. Agauta

CENTRAL UP

26. Bijnor
27. Amroha
28. Rampur
29. Bareilly
30. Maholi
31. Hardoi
32. Chhata
33. Chandpur
34. Kichha
35. Gajraula
36. Bilaspur
37. Bazpur
38. Nadehi
39. Sitarganj
40. Gadarpur
41. Harduaganj
42. Bisalpur
43. Majhola
44. Puranpur
45. Karimganj
46. Badaun
47. Tilhar
48. Belrayan
49. Sampurannagar
50. Semikhera
51. Dhampur
52. Seohara
53. Rajaka Sahaspur
54. Kashipur
55. Pilibhit
56. Rosa
57. Gola
58. Aira
59. Paliakalan
60. Baheri
61. Neoli

CENTRAL UP

62. Hargaon
63. Powayan
64. Ghatampur
65. Najibabad
66. Dhanaur
67. Venus
68. Asmoli

EAST UP

69. Barabanki
70. Burhwal
71. Jarwal
72. Pipraich
73. Ghughli
74. Siswabazar
75. Khadda
76. Lakshmiganj
77. Ramkola (Corp)
78. Bhatni
79. Chittauni
80. Munderwa
81. Ramkola
82. Rauzagaon
83. Nandganj
84. Daryapur
85. Nanpara
86. Kashi
87. Rasra

88. Sethian
89. Ghosi
90. Sultanpur
91. Mahmudabad
92. Khalilabad
93. Sardarnagar
94. Captainganj
95. Padrauna
96. Kathkuiyan
97. Gauribazar
98. Seorahi
99. Battalpur
100. Deoria
101. Pratappur
102. Walterganj
103. Basti
104. Biswan
105. Ratna
106. K.M. Sugar
107. Balrampur
108. Tulsipur
109. Babhnan

उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों में नई चीनी मिलें स्थापित करने का प्रस्ताव

2070. **श्री कनक सिंह मोहन सिंह मंगरोला:**
श्री आस मोहम्मद:

क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) इस समय सरकारी, सहकारी और निजी क्षेत्र में राज्यवार कुल कितनी चीनी मिलें हैं;

(ख) क्या सरकार विभिन्न राज्यों, विशेषकर उत्तर प्रदेश में गन्ने की व्यापक खेती को ध्यान में रखते हुए चीनी मिलें खोलने पर विचार कर रही है;

(ग) यदि हां, तो उसका स्थान-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) प्रत्येक राज्य द्वारा अक्तूबर, 1994 तक नई चीनी मिलें खोलने हेतु कितने प्रस्ताव भेजे गए हैं;

(ङ) राज्य-वार कितनी चीनी मिलें खोलने हेतु लाइसेंस जारी किए गए हैं और कितनी चीनी मिलों ने कार्य करना आरम्भ कर दिया है;

(च) सरकार के पास कितने प्रस्ताव विचाराधीन हैं और उनका राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(छ) इन प्रस्तावों को कब तक निपटा दिया जाएगा?

खाद्य मंत्री (श्री अजित सिंह): (क) 31.1.95 को देश में 435 संस्थापित चीनी मिलें थी जिनका राज्यवार और क्षेत्रवार ब्यौरा संलग्न विवरण-I पर है **(नीचे देखिए)**

(ख) व (ग) केन्द्र सरकार देश के किसी भी भाग में चीनी मिलें स्थापित नहीं करती। तथापि, वह नई चीनी मिलें स्थापित करने के लिए लाइसेंसिंग नीति संबंधी वर्तमान मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुरूप आशय पत्र/औ-द्योगिक लाइसेंस मंजूर करती है। 1993-94 चीनी वर्ष के दौरान देश के विभिन्न राज्यों में नई चीनी मिलों की स्थापना के लिए 74 आशय पत्र जारी किए गए हैं जिनमें से 25 उत्तर प्रदेश से संबंधित हैं। इन 25 आशय पत्रों का स्थान-वार ब्यौरा दर्शाने वाला विवरण-II संलग्न है (नीचे देखिए)

(घ) व (ङ) 31.10.1994 तक देश के विभिन्न राज्यों में नई चीनी फैक्ट्रियों की स्थापना के लिए औद्योगिक विकास विभाग के माध्यम से 918 प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनमें से 813 प्रस्तावों की जांच समिति द्वारा, जांच की गई है। जांच के बाद खाद्य मंत्रालय की सिफारिशें लाइसेंसिंग समिति के विचारार्थ उद्योग मंत्रालय को भेजी गई थीं। 31.10.1994 तक उद्योग मंत्रालय द्वारा 74 आशय पत्र जारी किए गए हैं। प्राप्त प्रस्तावों की राज्य-वार संख्या, विचार किए गए प्रस्ताव और जारी किए गए आशय पत्रों की संख्या का ब्यौरा संलग्न विवरण-III पर है। (नीचे देखिए) नई चीनी फैक्ट्री स्थापित करने के लिए लगभग 3 से 4 वर्ष लगते हैं। अतः उक्त जारी 74 आशय पत्रों में से किसी भी चीनी मिल ने अभी तक कार्य शुरू नहीं किया है।

(च) 31.1.95 को खाद्य मंत्रालय में 125 प्रस्ताव विचार के लिए लम्बित हैं। लम्बित प्रस्तावों की राज्यवार संख्या का ब्यौरा विवरण-IV पर है। (नीचे देखिए)

(छ) इस संबंध में अभी कोई समय सीमा बताना मुश्किल है।